

खबर संक्षेप

अभियान के तहत स्कूल में किया पौधरोपण
खरखौदा। राजकीय माध्यमिक विद्यालय सेहरी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी स्टाफ सदस्य गण व बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी बच्चों को पौधे वितरित किए गए। मुख्य अध्यापिका बबली देवी ने स्कूली बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। पृथ्वी को बचाने के लिए हर एक बच्चे को एक पौधा लगाने व उसकी संभाल करने के प्रति जागरूक किया।

फरमाणा बॉयज स्कूल में कैडेट्स ने रोपे 75 पौधे खरखौदा। फरमाणा बॉयज स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स और छात्रों ने स्कूल परिसर में 75 पौधों का रोपण किया। साथ ही उनकी देखरेख का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी अधिकारी नरेंद्र दहिया ने सांसों हो रही कम-आओ पेड़ लगाए हम, पृथ्वी को बचाना है-हरियाली लाना है।

क्रोध से दूरी के लिए आत्म संयम जरूरी सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में शनिवार को एक विशेष काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया। प्रधानाचार्या चंचल शर्मा के साथ मीनू, ज्योति, कमलकांत उपस्थित रहे। काउंसलिंग सेशन का विषय क्रोध प्रबंधन रहा, जिसका का अर्थ है अपने गुस्से को नियंत्रित करना सीखना। ये ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने गुस्से के कारणों को समझता है, उसे स्वीकार करता है और फिर उसे स्वस्थ तरीके से प्रबंधित करने के तरीके सीखता है।

बच्चों के अध्ययन के प्रति सजग रहें अभिभावक गोहाना। गोता विद्या मंदिर गोहाना में शनिवार को कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों ने अभिभावकों के साथ शिक्षकों ने बैठक की। बैठक का उद्देश्य नैतिक मूल्यों के साथ उत्तम स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना था। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार ने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों के अध्ययन के प्रति सजग रहें।

छात्राओं ने दूसरे दिन भी किया प्राणायाम गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (निवि), खानपुर कला के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए आयोजित पांच दिवसीय चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के दूसरे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम से हुआ। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्राणायाम के सह संचालक आचार्य संदीप आर्य ने यज्ञ किया और उसके महत्व पर प्रकाश डाला।

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश सोनीपत। गंगा समग्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक सुनील के नेतृत्व में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सुनील ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सभी को पर्यावरण बचाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी उपाय है और वे लगातार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। सतप्रकाश खापरा, धर्मवीर, बलजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रावण माह में गंगा स्नान से कल्याण : जैन सोनीपत। जोत महोत्सव धर्म एवं आस्था का प्रतीक है, जिसे पंजाबी समुदाय सदस्यों बाद भी निभा रहा है। श्रावण मास में मोक्ष दायिनी मां गंगा में स्नान करने से श्रद्धालुओं के जीवन का कल्याण होता है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होकर कष्ट दूर हो जाते हैं। उक्त विचार आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते मेयर नगर निगम राजीव जैन ने अपने संबोधन में व्यक्त किए।

एमडीएच डायरेक्टर का जन्मदिवस मनाया सोनीपत। आर्य समाज सेक्टर 15 स्थित आर्योदय गुरुकुल में शनिवार को एमडीएच ग्रुप के डायरेक्टर राजीव गुलाटी का जन्मदिवस वैदिक रीति से यज्ञ के माध्यम से मनाया गया। गुरुकुल के आचार्य संदीप श्रंथ्यानी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया और गुलाटी के दीर्घायु एवं निरोग जीवन की कामना की।

पूरे देश में 15 अगस्त तक चलाया जाएगा अभियान : डॉ. अरविंद शर्मा

भारत माता की जय के नारों के साथ हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने भारत माता की जय के नारों के साथ जिला परिषद हॉल से जिला में हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति के अलख जगाने व एकता का संदेश देने के लिए 15 अगस्त तक पूरे देश में यह अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जिलावासियों का आह्वान किया कि वे सभी अपने घरों पर तिरंगा फहराएं ताकि प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति का संचार हो सके। इस दौरान अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' अभियान 2 अगस्त से 15 अगस्त तक जिले में बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण 2 अगस्त से 8 अगस्त, दूसरा चरण 8 अगस्त से 12 अगस्त व तीसरा चरण 12 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। बताया कि अभियान के तहत जिले में जन-जागरूकता रैलियां, झंडारोहण, बाइक/रैलियां,

सभी जिलावासियों से अपने घर पर तिरंगा फहराने का किया आह्वान



सोनीपत। हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत करते कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, जनसंपर्क गतिविधियां एवं डिजिटल भागीदारी जैसे अनेक आयोजन किए जाएंगे। आयोजनों में शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं, एनजीओ, खेल जगत के लोगों, 'माय भारत' के स्वयंसेवकों, एनएसएस, एनसीसी, आरडब्ल्यू तथा आम जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस वर्ष अभियान में कुछ नई गतिविधियां भी जोड़ी गई हैं, जैसे 'तिरंगा राखी निर्माण', 'जवानों व पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन', 'हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता', तथा 'तिरंगा रंगों में लाइटिंग' आदि।



गोहाना। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर पिगली वैकैया को नमन करते नागरिक।

तिरंगे के अभिकल्पक थे पिगली वैकैया : आजाद

गोहाना। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा द्वारा शनिवार को शहर के अंडेडकर चौक में पिगली वैकैया की 147वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने पिगली वैकैया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा पिगली वैकैया भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के अभिकल्पक थे। वह भारत के सबसे देश भक्त महान स्वतंत्रता सेनानी एवं कृषि वैज्ञानिक भी थे। वर्ष 1916 में पिगली वैकैया ने एक ऐसे ध्वज की कल्पना की जो सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांध दे। जयंती समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के निदेशक डॉ. सुरेश सेठिया ने की। वे बोले कि 31 मार्च 1931 को राष्ट्रीय ध्वज डिजाइन किया था। इसी ध्वज के तले आजादी के परवानों ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और 1947 में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। 22 जुलाई 1947 को भारतीय संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया और 15 अगस्त 1947 को तिरंगा हमारी आजादी और हमारे देश की आजादी का प्रतीक बन गया। समारोह में टेकेंदार गुलाब खान, नरेंद्र साहब सिंह, रविशंकर खान, सतबीर पौडिया, हर अमवान चौपड़ा, रोहतास अहलावाल, सुभाष शर्मा, मुखार सिंह दांगी, मा हवा सिंह, अमललाल अजी व उद्यम सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

राखी बनाओ प्रतियोगिता में पल्लवी प्रथम

नव ज्योति शिक्षा सदन में प्रतियोगिता का किया आयोजन

■ 400 राखियां भारत विकास परिषद शाखा गन्नौर को भेजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

नव ज्योति शिक्षा सदन खुबडू भांवर में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक विद्यार्थी ने अपने घर में रखे हुए सामान से 5-5 राखियां बनाईं। स्कूल प्रधानाचार्य राजेन्द्र कौशिक ने बताया कि तैयार की गई राखियों में से 400 राखियां भारत विकास परिषद शाखा गन्नौर को भेजी गईं। प्रथम स्थान पल्लवी, द्वितीय स्थान नितिन तथा तृतीय स्थान पायल ने



गन्नौर। राखी बनाओ प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल प्राचार्य।

प्राप्त किया तथा उनके नाम भारत विकास परिषद को भेजे गए हैं। उन्होंने प्रत्येक कक्षा में से प्रथम,

द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

धार्मिक आयोजन से एकता को बल: देवेन्द्र हरिद्वार में सावन ज्योत महोत्सव के लिए 12 बसों का काफिला रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर से हरिद्वार में आयोजित सावन ज्योत महोत्सव के लिए शनिवार को श्रद्धालुओं का एक बड़ा काफिला रवाना हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे गन्नौर विधायक देवेन्द्र कादियान ने काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाजसेवी एवं पूर्व नगरपालिका पार्षद अंकित महोत्रा के नेतृत्व में 12 बसों और निजी वाहनों में सवार होकर सैकड़ों श्रद्धालु हरिद्वार के लिए रवाना हुए। विधायक कादियान ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था तो मजबूत होती ही है, साथ ही एकता और सामाजिक समरसता को भी बल



गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान ज्योत महोत्सव के लिए बसों को रवाना करते।

मिलता है। उन्होंने कहा कि सावन का महीना शिव भक्ति के लिए विशेष माना जाता है और इस तरह की यात्राएं सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की भावनाओं और जरूरतों को ध्यान में

रखते हुए समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद अंकित महोत्रा ने बताया कि सावन ज्योत महोत्सव यात्रा हर वर्ष श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित की जाती है। श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचकर भगवान शिव को

ज्योत अर्पण करेंगे और पूरे समाज की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। काफिले में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। भक्ति गीतों व हर-हर महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने उल्लास के साथ सफर किया। सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी आयोजकों ने विशेष प्रबंध किए थे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर हरीश वाधवा, तरुण चुध, प्रवेश मदान, नीरज जाग्या, राजकुमार बत्रा, मास्टर बिजेन्द्र, अमित बत्रा, हरीश मदान, हर्ष शुमार, डिंपी महेश्वरी, गीता चुध, कुल्लू वाधवा, चारु चांदना आदि मौजूद रही।



सोनीपत। कैप में प्रतिभागी रही हिंदू गर्ल्स कॉलेज की कैडेट्स। फोटो: हरिभूमि

ट्रेनिंग कैप में कैडेट्स का शानदार प्रदर्शन

सोनीपत। पिछले महीने दोनबंदी छात्रावास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सुरथल में 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी सोनीपत द्वारा आयोजित कॉम्बाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैप में हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की 62 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लेकर अग्रगण्य, नेतृत्व और नेतृत्व का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस कैप में कॉलेज की कैडेट्स ने गैंग्स ऑफ पास्ट (गैंग्स ऑफ पास्ट) में रिवलर मेडल, माणक प्रतियोगिता में रिवलर मेडल, पायलटिंग में गोल्ड मेडल जीता। वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां (नृत्य/गायन) में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. विपिन अग्रवाल ने सभी कैडेट्स को बधाई देते हुए आगे भी अच्छे प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित किया। कॉलेज की एन सी सी अधिकारी नितु नसीर दूदन (एचएनसी) ने बताया कि इस कैप के माध्यम से छात्राओं को उच्च जीवन की झलक, आजाद प्रखण, प्राथमिक उपचार, हरियाणु प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास जैसे विषयों में प्रशिक्षण मिला, जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और गतिविधि की लीडर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा।

हरियाणा चौबीस फसलें एमएसपी पर खरीदने वाला पहला राज्य : परमवीर

■ किसान सम्मान निधि के तहत पौने चार लाख करोड़ केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में भेजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं पूर्व जिला महामंत्री परमवीर सैनी ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नाथब सैनी के नेतृत्व में किसानों की 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। भाजपा सरकार ने किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं जिनका किसानों को



भरपूर लाभ मिल रहा है। परमवीर सैनी ने कि प्रदेश सरकार किसानों के एक-एक दाने की खरीद एमएसपी पर करती है और 72 घंटे में उसकी फसल का पैसा उसके खाते में भेजने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा

सरकार चुनावी घोषणा पत्र के वायदों को एक संकल्प के साथ पूरा कर रही है। भाजपा ने अपने अपने चुनावी घोषणा पत्र में जितने वादे किए थे उनमें से 40 से अधिक पूरे किए जा चुके हैं। परमवीर सैनी ने कहा कि सम्मान निधि योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बनारस से 20वीं किस्त किसानों के खातों में जारी की। योजना के तहत पौने चार लाख करोड़ रुपये केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में भेजे गए हैं ताकि किसान इस पैसे से कृषि उपयोग की दवाइयां व खाद खरीद सकें।



गोहाना। आरसीसी पाइपलाइन का निरीक्षण करते विधायक इंद्रराज नरवाल।

निरीक्षण: आरसीसी पाइपलाइन की चार हौदियां मिली ब्लॉक

■ विधायक ने गांव रूखी-छिड़ाना में किया पाइपलाइन का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

बरोदा हलका के कांग्रेस विधायक इंद्रराज नरवाल ने शनिवार को गांव रूखी और छिड़ाना के खेतों से ड्रेन नं. 8 तक बरसाती पानी की निकासी के लिए पूर्व में डाली गई आरसीसी पाइपलाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाइपलाइन की 4 हौदियां ब्लॉक मिलीं। विधायक ने काम में लापरवाही का आरोप लगाया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। खेतों में भरने वाले बरसाती पानी की निकासी के लिए करीब दो वर्ष पहले बरोदा हलके के गांव रूखी और छिड़ाना के बीच 11 हजार फुट लम्बाई की आरसीसी पाइपलाइन दबाई गई थी। इस प्रोजेक्ट पर 3.76 करोड़ की लागत आई थी। विधायक इंद्रराज नरवाल ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ इस पाइपलाइन का निरीक्षण किया। विधायक के अनुसार इस

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

विधायक इंद्रराज नरवाल ने कहा कि आरसीसी पाइपलाइन दबाने में लापरवाही बरतने वाले दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। जब तक उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जाती तब तक चेन से नहीं बैठेंगे।

शीघ्रतम समाधान कराया जाए

विधायक ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पाइपलाइन की हौदियों को सफाई करवाकर शीघ्र समस्या का समाधान कराया जाए ताकि खेतों में मरने वाले बरसाती की शीघ्र निकासी हो सके।

पाइपलाइन की 9 हौदियों में से 4 पूरी तरह से ब्लॉक हैं जिससे पानी की निकासी ठप पड़ी हुई है। इंद्रराज नरवाल ने कहा कि पाइपलाइन दबाने में घोर लापरवाही बरती गई है। इस प्रोजेक्ट में निम्न स्तर की सामग्री का प्रयोग किया गया है और लेवल भी सही नहीं किया गया है जिससे हौदियां ब्लॉक हो गई हैं और पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। विधायक ने दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ ठोस कार्रवाई अमल में लाने की मांग की।

भारत विकास परिषद ने किया स्रोत गायन प्रतियोगिता का आयोजन

शिवा की आराध्या प्रथम, ऋषिकुल की अखिला द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भारत विकास परिषद, प्रबुद्धा शाखा (हरियाणा मध्य प्रांत) द्वारा शनिवार को ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी, देवडू रोड, सोनीपत में स्रोत गायन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक शर्मा (पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, हरियाणा मध्य प्रांत) ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता देवेन्द्र कौशिक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में राजीव गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. सुधीर गर्ग, दीक्षा आचार्य एवं डॉ. रेनु ने उच्चारण, राग, ताल व भाव के आधार पर प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में



सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते भाविव पदाधिकारी एवं अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्गों में क्रमशः 15-15 टीमों ने भाग लिया और भक्ति भाव से ओतप्रोत स्तोत्रों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। कनिष्ठ वर्ग में शिवा शिक्षा सदन की आराध्या ने प्रथम स्थान,

मल्टीपरपज स्कूल के विनीत पांडेय ने प्रथम स्थान, शिवा शिक्षा सदन की जिज्ञासा ने द्वितीय स्थान तथा नवयुग पब्लिक स्कूल की भूमिका एवं ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी की लकी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रचलन और सरस्वती वंदना से हुई। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रबुद्धा शाखा के डॉ. रचना गुप्ता, आशीष गुप्ता, सुरेश पाराशर, राहुल शर्मा, आशीष अग्रवाल, रंजना कुकरेजा एवं शारदा रेलन का विशेष योगदान रहा। सम्पूर्ण आयोजन भारत विकास परिषद की 'सेवा, समर्पण, संस्कार, संपर्क, सहयोग' की मूल भावना के अनुरूप अत्यंत उत्साहपूर्वक हुआ तथा 'स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत' के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



सोनीपत। अभियान के तहत इंडस्ट्री एरिया पार्क में पौधरोपण करते हुए।

पार्क में चलाया पौधरोपण अभियान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से इंडस्ट्री एरिया स्थित पार्क में पौधरोपण अभियान चलाया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि अभियान के तहत कुल 15 धन्यादा और फलदायर पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि पेड़ों के बिना धरती पर जीवन की कल्पना असंभव है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने का एकमात्र समाधान अधिक से अधिक पौधरोपण है। नरेंद्र हुड्डा ने कहा कि वन ही जीवन है, इस विचार को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। अभियान के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया। इस मौके पर अंजेली प्रियंका पूर्ण सिंह, बोलिसंग कोच रविंद्र, प्रिय, परितोष, सचिन, सौरभ, जतिन, विराग, आशु, दक्ष, विपिन, ऋषभ और हर्षित भी उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

खबर संक्षेप



भाजपा जिला गोहाना के कार्यकर्ताओं की बैठक

गोहाना। शनिवार को शहर के सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक केंद्र में भाजपा जिला गोहाना के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला गोहाना इकाई के अध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक ने की। मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के पूर्व उप चेरमैन ललित बत्रा रहे। बत्रा ने कहा कि 10 अगस्त को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली 1947 में पाकिस्तान से आए विस्थापितों के सम्मान में गोहाना में संगोष्ठी करेंगे।

गुरुकुल मटिडू में हुई स्कूल ट्रस्ट की बैठक

खरखौदा। गुरुकुल मटिडू में ट्रस्ट की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ट्रस्ट के सभी सदस्य आनंद, डॉं ओपी जाखड़, रणवीर, सुनील, चंद्र सेन, डॉं. सतपाल वत्स, डॉं. संदीप दहिया मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता चैयरमैन ब्रिगेडियर सत्यदेव दहिया ने की। उन्होंने स्कूल के विकास के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजनाएं बनाकर उन्हें लागू करने के लिए कहा।

टेनिस में तपस्वी खत्री ने जीता स्वर्ण पदक



सोनीपत। कुंडली में 28 जुलाई 2025 से 1 अगस्त 2025 तक ऑल इंडिया लॉन टेनिस चैंपियनशिप सीरीज का आयोजन हुआ। जिसमें अंडर 14 आयु वर्ग के फाइनल मैच में लिटल एंजल्स लॉन टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी तपस्वी खत्री ने अंडर 14 के फाइनल मैच में दिल्ली के देविक मान को 9-3 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस चैंपियनशिप में देशभर से लगभग 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मादक पदार्थ तस्क़र को किया गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्क़र को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रैनक निवासी तिहाड़ मलिक निवासी सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गलत पते पर जारी चालान से सचिन परेशान सोनीपत।

शहर के कालुपुर चुंगी क्षेत्र में दो महीने पहले एक व्यक्ति का चालान कटना अब प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बन गया है। पीड़ित सचिन नामक युवक का करीब 14 हजार रुपये का चालान ट्रैफिक पुलिस द्वारा कटा गया था, लेकिन चालान में उसका पता गलत भर दिया गया। इस गलती के कारण सचिन न तो चालान की राशि ऑनलाइन भर पा रहा है, न ही ऑफलाइन जमा करवा पा रहा है। इसी वजह से उसकी मोटरसाइकिल पिछले दो महीने से थाने में बंद है और पूरा परिवार मानसिक तनाव में जी रहा है।

विद्यालय में सुशी का माहौल, छात्र को नवाजा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गन्नौर

शिवालयिक पब्लिक सोनियर सेकेंडरी स्कूल, खेड़ी गुर्जर रोड, गन्नौर के छात्र देव ने जेई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण कर देश के प्रतिष्ठित संस्थान निफ्टम में स्थान पाया। देव की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय, अभिभावकों ने उत्साह का माहौल है। छात्र का शनिवार को स्कूल में सम्मान किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश पहल ने देव को मिठाई खिलाकर और पुष्प गुच्छे सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि देव की यह उपलब्धि उनके परिश्रम और लगन का परिणाम है। उन्होंने अन्य छात्रों

प्रतियोगिता युवाओं में ऊर्जा व आत्मविश्वास का संचार करेगी : अरविंद शर्मा खेल महाकुंभ-2025 के अंतर्गत लॉन टेनिस प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

प्रतियोगिता का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने किया
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ राई



राई। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा व कुलपति अशोक कुमार, उपायुक्त सुशील सारवन व अन्य खेलों का शुभारंभ करते हुए।

खेल विभाग द्वारा राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ-2025 के प्रथम चरण के अंतर्गत लॉन टेनिस प्रतियोगिता स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में शुरू हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने किया। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति अशोक कुमार, उपायुक्त सुशील सारवन, जिला खेल अधिकारीगण, वरिष्ठ प्रशिक्षक, कोच मौजूद रहे। मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा की भूमि खेलों की जन्मभूमि रही है। आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक सामाजिक-राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया है जिसमें खेलों के माध्यम से अनुशासन, एकता और नेतृत्व जैसे मूल्यों का संचार होता है। कुलपति अशोक कुमार ने

कहा प्रतियोगिता युवाओं के मन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगी। उद्घाटन सत्र के बाद प्रारंभ हुई लॉन टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा, एवं सुरक्षा जैसी सभी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। 4 अगस्त को विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।



खरखौदा। खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए प्रताप स्कूल प्रबंधन।

हरियाणा स्टेट खेलो इंडिया युथु लीग में जीते 2 पदक

खरखौदा। हरियाणा स्टेट खेलो इंडिया युथु लीग में प्रताप सिंह मेमोरियल सोनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता का आयोजन समालखा, पानीपत में किया गया। प्रतियोगिता में प्रताप स्कूल की ज्योति (45 किग्रा वर्ग) ने रजत पदक तथा गरिमा (45 किग्रा वर्ग) ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की 5 अन्य खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें दोगाचर्य अवाई ओमप्रकाश दहिया, संस्थापक सतप्रकाश नम्बरदार, प्राचार्य दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, तथा युथु कोच विनोद गुलिया ने खिलाड़ियों का फूल-मालाओं और उत्साहवर्धक शब्दों से अभिनंदन किया। दोगाचर्य अवाई ओमप्रकाश दहिया व डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि आज की बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपनी बेटियों के बहुमुखी विकास के लिए आगे आएँ और उन्हें प्रेरित करें।

नागरिक अस्पताल में निजी एंबुलेंस चालकों के बीच मारपीट रुक-रुककर हुई बारिश से मौसम सुहाना

डायल -112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया, थाने में दी शिकायत
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत



सोनीपत। डायल-112 की टीम कागजी कार्यवाही करते हुए।

जिला नागरिक अस्पताल परिसर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दिनदहाड़े निजी एंबुलेंस चालकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस झगड़े में एक निजी एंबुलेंस चालक पर लोहे की रॉड और मोटरसाइकिल की चैन से हमला कर घायल करने का आरोप है। घायल ने अपना उपचार अस्पताल में करवाया। वहीं मामले की शिकायत सेक्टर-27 शहर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। मिला जानकारी के अनुसार बिजेन्द्र ने बताया कि वह निजी एंबुलेंस चालक है। वह बहालगढ़ रोड पर स्थित अस्पताल से जुड़े कुछ एंबुलेंस

दो आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

पीड़ित के बयान पर दो आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गाड़ी को कब्जे में लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दो को हिरासत में लिया गया है।
-उमेश कुमार, प्रभारी सेक्टर-27 शहर थाना।

चालक शनिवार सुबह नागरिक अस्पताल में पहुंचे और उनके साथ बुरी तरह मारपीट की। बिजेन्द्र ने आरोप लगाया कि गांव म्हारे निवासी मनजीत ने उन पर लोहे की रॉड व बाइक की चैन से हमला किया।

शव ले जाने पर विवाद

नागरिक अस्पताल परिसर व उसके बाहर गेट पर निजी एंबुलेंस चालक खड़े रहते हैं। वहीं अस्पताल से दूसरे राउन्ड व अन्य स्थानों पर शव व घायलों को लेकर जाने पर आपस में झगड़ते रहते हैं। शनिवार को अस्पताल के गेट पर हुआ झगड़े की वजह बताने एक डेड बॉडी को लेकर हुए विवाद को माना जा रहा है। दोनों पक्षों में शव को ले जाने को लेकर कहसुनी हो गई थी।

पीड़ित का कहना है कि यह हमला एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया है। बिजेन्द्र ने यह भी बताया कि बीती रात भी उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, लेकिन वे किसी तरह जान बचाकर भाग निकला था। शनिवार सुबह आरोपित दोबारा अस्पताल परिसर में पहुंचे और खुलेआम हमला कर दिया।

तीस लाख की रिश्वत का मामला

दिल्ली पुलिस का इंस्पेक्टर और स्कूल क्लर्क एक दिन के रिमांड पर



सोनीपत। आरोपित इंस्पेक्टर व कोर्ट से लेकर निकलते हुए एसीबी टीम।

दिल्ली के अलीपुर थाने में दर्ज मुकदमे में आरोपित को राहत दिलाने के नाम पर मांगी थी एक करोड़ रुपये की रिश्वत
एसीबी की टीम ने आरोपित स्कूल के क्लर्क संदीप कुमार को 30 लाख रुपये की राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत

दिल्ली के अलीपुर थाने में दर्ज दो मामलों में धारा हटाने और मुकदमा निरस्त करने के नाम पर 30 लाख रुपये लेने के मामले में एंटी कर्प्शन ब्यूरो (एसीबी) ने आरोपित स्कूल क्लर्क और दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर को काबू कर अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपितों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। एसीबी की टीम ने स्कूल क्लर्क को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। वहीं, बाद में आरोपित इंस्पेक्टर को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। एसीबी टीम आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। एसीबी की इंस्पेक्टर प्रमिला ने बताया कि गांव बड़वासनी के विपिन ने उन्हें शिकायत दी थी कि उनके रिश्तेदार दिल्ली के नरेला के प्रवीन लाकड़ा प्रायर्टी डीलर हैं। प्रवीन गुप्ता ने उनके रिश्तेदार प्रवीन लाकड़ा के खिलाफ जबरन रुपये मांगने व मारपीट के दो मुकदमे दर्ज करा रखे हैं। आरोप है कि सुनील जैन ने वर्ष 2024 में दर्ज जबरन रुपये मांगने के मामले में धारा हटाने और वर्ष 2025 में दर्ज मारपीट के मामले को निरस्त करने के नाम पर 30 लाख रुपये की मांग की थी। दोनों के बीच बाद में 70 लाख रुपये में सौदा हुआ था। विपिन ने बताया कि 30 लाख रुपये लेकर सोनीपत में एक निजी स्कूल में बुलाया गया। शुक्रवार शाम को रिश्वत के 30 लाख रुपये लेकर विपिन स्कूल में आया था। एसीबी की इंस्पेक्टर प्रमिला की टीम ने संदीप को रंगेहाथ गिरफ्तार कर कट्टे में भरी रिश्वत की राशि बरामद कर ली थी।

समस्याओं का करें त्वरित निदान : अरविंद

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सिंचाई विभाग गृह में जनसंवाद किया
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गोहाना



गोहाना। लोगों से संवाद करके समस्याएं जानते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि अधिकारी सरकारी कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को धैर्य के सुनें व उनके त्वरित निदान के लिए काम करें। मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पारदर्शी व्यवस्था की है, जिसका लाभ आमजन तक पहुंचाना जरूरी है। शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सिंचाई विभाग में जन संवाद कार्यक्रम करते हुए आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आमजन की परेशानियों के समाधान के लिए व्यवस्था को सरल बनाते हुए 5 सौ से अधिक सेवाओं व योजनाओं को ऑनलाइन करने का काम किया है।

पदक विजेता खिलाड़ी सम्मानित

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कासंडा गांव में पहुंच कर अमेरिका में सम्पन्न वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स-2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले सचिन को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। भाजपा सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर खेलों में द्वाचरगत विकास करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभवी प्रशिक्षकों की व्यवस्था करना सुनिश्चित किया है। इससे हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की मजबूती के लिए आम बजट में 2000 खेल नर्सरियां स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि युवा खिलाड़ियों को भरपूर अवसर प्राप्त हों। सरकारी नौकरियों में 3 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा युवाओं के लिए की जा रही है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सचिन को अपने निजी कोष से 1 लाख रुपये व उनके प्रशिक्षक अगिल कुमार को 11 हजार रुपये देने की घोषणा की।

समस्याओं का करें त्वरित निदान : अरविंद

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सिंचाई विभाग गृह में जनसंवाद किया
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गोहाना



गोहाना। लोगों से संवाद करके समस्याएं जानते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि अधिकारी सरकारी कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को धैर्य के सुनें व उनके त्वरित निदान के लिए काम करें। मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पारदर्शी व्यवस्था की है, जिसका लाभ आमजन तक पहुंचाना जरूरी है। शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सिंचाई विभाग में जन संवाद कार्यक्रम करते हुए आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आमजन की परेशानियों के समाधान के लिए व्यवस्था को सरल बनाते हुए 5 सौ से अधिक सेवाओं व योजनाओं को ऑनलाइन करने का काम किया है।

स्थानीय स्कूलों के बीच सामंजस्य, शुल्क से संबंधित समस्या पर किया विचार



सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कांफ्रेंस के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

सोनीपत। हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कांफ्रेंस सोनीपत चैप्टर का आयोजन एसा7 स्कूल में किया गया। इस कांफ्रेंस में 50 से अधिक स्कूलों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र (स्टेट प्रेसिडेंट एचपीएससी) की अध्यक्षता में किया गया। कांफ्रेंस में बतौर विशिष्ट अतिथि अंशुल पठानिया (जोनल प्रेसिडेंट एचपीएससी) उपस्थित रहे। सभा में स्कूल संचालन से संबंधित अनेक मुद्दों पर बातचीत की गई जिसमें मुख्यतः स्थानीय स्कूलों के बीच सामंजस्य, शुल्क से संबंधित समस्याओं को सुव्यवस्थित करना, स्कूलों में छात्रों व शिक्षकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना व छात्रों और कर्मचारियों के संबंध में सरकारी दायित्व को तय करना था। इस सभा में एचपीएससी के सभी सदस्यों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। समस्त कार्यक्रम का संचालन नीरज शर्मा (प्रेसिडेंट एचपीएससी) द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव सचिव एचपीएससी द्वारा दिया गया।

देव ने जेई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण कर निफ्टम में पाया स्थान अतिक्रमण न हटाने पर दो व्यापारियों पर केस दर्ज

द्वैफिक पुलिस ने नगर निगम के साथ मिलकर चलाया अभियान
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत



गन्नौर। स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश पहल छात्र देव का सम्मान करते हुए।

को भी देव की सफलता से प्रेरणा लेने और भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुट जाने का संदेश दिया। यह सफलता उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें साकार करने की हिम्मत रखते हैं। देव ने कहा कि केवल यह परीक्षा पास की, बल्कि प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर अपने माता-पिता, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। देव के माता-पिता ने भी विद्यालय के शिक्षकों और स्टाफ को आभार जताया। जिन्होंने देव को समय-समय पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान किया।

अतिक्रमण की वजह से शहर की सड़कें व्यस्त हैं, जिसकी वजह से आम आदमी त्रस्त हैं। सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण होने के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित रहती है। इसी को देखते हुए नगर निगम ने प्रशासन व पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती से अभियान चलाने की योजना बनाई है। चेतावनी नोटिस देने के बाद भी

अतिक्रमण न हटाने पर शनिवार को दो व्यापारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया गया, जबकि दस को नोटिस दिया गया है। यातायात पुलिस के मुख्य सिपाही सुरेंद्र की ओर से सेक्टर 27 में एक शिकायत दी गई कि बैजनाथ वैष्णो ढाबा नजदीक सिटी मॉल ने बाहर सड़क पर अपना सामान रखा हुआ है, उसे पहले भी कई बार सूचित किया गया। नगर निगम की ओर से नोटिस भी दिया गया था और बार-बार कहने पर भी सड़क पर सामान रख अतिक्रमण किया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कल चलाया था अभियान

अवैध अतिक्रमण को लेकर द्वैफिक पुलिस ने नगर निगम की टीम के साथ मिलकर शुक्रवार को अभियान चलाया था। शुक्रवार को बस स्टैंड, गांधी चौक और सेक्टर-14 रोड पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगे ठेले, रेहड़ियां, दुकानों के आगे रखा सामान और अवैध रूप से खड़े वाहन हटवाए गए थे। गांधी चौक और सेक्टर-14 रोड जैसे व्यस्त इलाकों में लोगों को राह चलता मुश्किल हो रहा था। आए दिन लगने वाले जाम से स्कूली बच्चे, ऑफिस जाने वाले और आपातकालीन सेवाओं की गाड़ियां भी प्रभावित हो रही थीं। पुलिस को इस दौरान जानकारी मिली थी कि कुछ दुकानदार रेहड़ी चालकों से किराया वसूल कर उन्हें सड़क पर लगाने की अनुमति दे रहे हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर गिरावनी शुरू कर दी गई है।



देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मौसिनराम गांव विष्ट में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से मीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

बादलों और बारिश का बसेरा मौसिनराम गांव



दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मौसिनराम

ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संचयित होकर बारिश में बदल जाती है।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेराम्पूजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मौसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेराम्पूजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मौसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेराम्पूजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मौसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेराम्पूजी घूमने वाले लोग अब मौसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शों में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

ये खूबियां बनाती हैं खास इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं। व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपना धर धर दो शब्द उनके जीवन की संघ्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है। कर सकते हैं सार्थक प्रयास: सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी। दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूँ?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें! *

होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मौसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेराम्पूजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मौसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मौसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साईन बोर्ड भी लगा हुआ है। हालांकि मौसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है लोन पर जीरो इंटररेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटररेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

नवी नैटर्स

शिखर चंद जैन

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, क्रिसमस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑनलाइन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियों अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटररेस्ट' पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं। जीरो इंटररेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनों की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर युक्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटररेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किरतों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटररेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किरतों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।



उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रिसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें। इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किरतों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रिसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पेन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटररेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है। तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश करें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

एसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेशन फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मौसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेराम्पूजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मौसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेराम्पूजी में मौसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेराम्पूजी के सिर पर हुआ करता था, वह मौसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मौसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मौसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर



बांस के छते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेराम्पूजी घूमने वाले लोग अब मौसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शों में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

यह एक गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं। व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपना धर धर दो शब्द उनके जीवन की संघ्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है। कर सकते हैं सार्थक प्रयास: सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी। दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूँ?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें! *

दायित्व

विजय सिंह चौहान

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान को आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मोन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद को मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूँ?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का मला तो होता ही है, हमें भी सतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव बनें किसी का सहारा



हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली

हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर महापद

जानकारी

सुनील कुमार महला

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गुंजन लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या है?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

अब कम सुनाई देती है झींगुरों की झांय-झांय!



नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर महापद

हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर महापद

फिल्म-ट्रेंड

हेमंत पाण्डे

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को स्विचर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजेश प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदागर्ज', 'चश्मेबदूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं दोस्ती के अलग-अलग रंग



'दोस्ती' ने कायम की फिल्मों की मिसाल

अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मद) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मद की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं। 'दोस्ती' के बाद भी दोस्ती की मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मद) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मद की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं। यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मों दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती



'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मद भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मद की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्राफ, अक्षय



'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मद भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मद की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्राफ, अक्षय

कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बोते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कहलू और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बंदू' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सारा है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *



मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

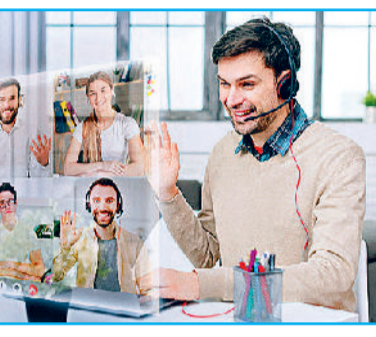
सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी

अंधु सिंह
इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।
स्वार्थ से परे आत्मिय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तित्व के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श है। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अक्सर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।
होता है मार्गदर्शक: दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त



काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा

हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बात या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।
मित्रता पर भी पड़ता तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती

खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इन्फोसर्वीसों से टैक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।
सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूँ तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफतार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूँ, 'थोड़ा बिजी हूँ' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं।

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जो हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मियता सी महसूस होती है, जो न किसी तक पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब वह जुड़ाव दोनों और से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ है। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे ईशानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जो हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अक्सर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उसके एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उस दिल से याद कीजिए और वो आपको हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता

रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।
बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मियता सी महसूस होती है, जो न किसी तक पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब वह जुड़ाव दोनों और से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य
अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप देववर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपेक्षा की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अनायास की भावनाओं से बचा सकता है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करते हैं और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बोलसक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

बॉलीवुड में दोस्ती
हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स को दोस्ती एक मिशन की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-नाराइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनया को सोल रिश्तार कहती हैं। अमिताभ रणबीर कपूर और निदेशक अयान मुख्तार का बॉनास इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हैं: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हैं: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगें तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सेजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य करें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हैं: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्या होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपको सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे नहीं करनी में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन
जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एक्सेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।
जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ



करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंबॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ व्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जो ज्यादा समझदार हैं: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इन सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।
जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुःखी और

अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।
जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका इंगो हट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।



संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निरायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

आपको सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे नहीं करनी में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

तोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

संस्कृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर ननुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे धन-धन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा धनन गरजे मन मोरा धबराय।
पिया रहे परदेस में नैन बेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी

विनय कुमार पाठक

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टिन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजें, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।
तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।
तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रही बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्ढी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा।

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं,

जिनका मन विपज्जता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसेना का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रेक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।' 'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ

राखी का तोहफा



जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।
'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।
'संभव है, मेरी कुलींग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल्ड इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।
'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्ढी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।
'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर

मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों काई मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।
'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आए और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।
अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूँ। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'
'सर, अब मैं जा सकता हूँ?' राजेंद्र ने पूछा।
'हां, आप जा सकते हैं। आपको ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।
'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली है, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती है।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।
'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हाफप्रीत हुई।
'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन

मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।
'भाई साहब, मैं आपको ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूँ। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। दूढ़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिली। मैं आपको कुछ देना चाहती हूँ, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षाबंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे रून्हे से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपको ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।
राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।
'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *